भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 215

उत्तर देने की तारीख 01 दिसंबर, 2025

सोमवार, 10 अग्रहायण, 1947 (शक)

उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल विकास

215. श्रीमती साजदा अहमदः

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स और जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकी में कौशल विकास शुरू करने के लिए कोई नीतिगत रोडमैप है;

(ख) यदि हाँ, तो इन पाठ्यक्रमों को शुरू करने के लिए निर्धारित संस्थानों और मानदंडों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण या प्रमाणीकरण में उद्योग या अंतर्राष्ट्रीय निकाय शामिल हैं, यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) रोजगार क्षमता और औद्योगिक विकास पर प्रभाव की निगरानी तंत्र का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) और (ख): भारत सरकार के कौशल भारत मिशन (एसआईएम) के अंतर्गत, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) विभिन्न योजनाओं, जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) योजना, राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के अंतर्गत कौशल विकास केंद्रों के एक व्यापक नेटवर्क के माध्यम से देश भर में समाज के सभी वर्गों को कौशल, पुनः-कौशल और कौशलोन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस मिशन का उद्देश्य भारत के युवाओं को उद्योग-संबंधित कौशल से सुसज्जित करके उन्हे भविष्य के लिए तैयार करना है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) ने राष्ट्रीय कृत्रिम मेधा कार्यक्रम (एनपीएआई) कौशल विकास ढांचा विकसित किया है, जो एआई, डेटा विज्ञान और उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशलीकरण के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना संरचना और दिशानिर्देशों की रूपरेखा तैयार करता है और मानकीकृत, उद्योग-संरेखित पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या विकसित करने के लिए आधारभूत दस्तावेज के रूप में कार्य करता है।

पीएमकेवीवाई 3.0 और 4.0 जैसी पहलों ने एआई, रोबोटिक्स और आधुनिक तकनीकों पर केंद्रित विशेष अल्पकालिक और उन्नत मॉड्यूल पेश किए हैं। इसका उद्देश्य उद्योग की माँग को पूरा करना, डिजिटल परिवर्तन को गति देना और उद्योग 4.0 तथा ग्रीन ट्रांजिशन के लिए कार्यबल की तैयारी करना है।
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) और राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) के एक नेटवर्क के माध्यम से सीटीएस के तहत, देश के युवाओं के कौशल विकास और उन्नयन हेतु कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,), औद्योगिक रोबोटिक्स और जलवायु-अनुकूल तकनीक सहित 31 आधुनिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना और प्रोद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने नैसकॉम के साथ मिलकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन (आरपीए) साइबर सुरक्षा और अन्य डिजिटल कौशल पर पाठ्यक्रम और अन्य पेशकशों की पेशकश करके शिक्षार्थियों को 11 उभरती प्रौद्योगिकियों के ज्ञान से लैस करने के लिए फ्यूचर स्किल्स प्राइम (एफएसपी) प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है।

(ग) एमएसडीई ने एक राष्ट्रीय स्तर की पहल, एसओएआर (एआई तैयारी के लिए कौशलीकरण) शुरू की है जिसका उद्देश्य स्कूली छात्रों (कक्षा 6-12) में एआई जागरूकता और बुनियादी कौशल को बढ़ावा देना और शिक्षकों में एआई साक्षरता का निर्माण करना है। यह कार्यक्रम विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में एआई शिक्षा तक समान पहुँच सुनिश्चित करके डिजिटल अंतर को पाटने का प्रयास करता है, जिससे समावेशी, भविष्य-तैयार कौशल की राष्ट्रीय कार्य -सूची में सहायता मिलती है।

डीजीटी ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत कौशल विकास पहलों के लिएआईबीएम इंडिया, माइक्रोसॉफ्ट, सिस्को, एबोड इंडिया, अमेज़न वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस), फ्यूचर राइट स्किल्स नेटवर्क (एफआरएसएन), एडुनेट फाउंडेशन, ऑटो डेस्क आदि संस्थाओं के साथ सहयोग किया है। ये साझेदारियाँ आधुनिक तकनीकों में तकनीकी और व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण के प्रावधान को सुगम बनाती हैं। सीटीएस के विभिन्न ट्रेडों के अंतर्गत रोजगार कौशल विषय में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का परिचय, अवधि: 7.5 घंटे' पर एक मॉड्यूल शुरू किया गया है।

फ्यूचरस्किल्स प्राइम प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से प्रस्तुत पाठ्यक्रम उद्योग-उन्मुख हैं और वैश्विक ओईएम भागीदारों, कंटेंट पार्टनर्स और नैसकॉम द्वारा प्रस्तुत किए जाते हैं। इसके अलावा, आईटी-आईटीईएस एसएससी नैसकॉम उद्योग के साथ मिलकर योग्यताएँ विकसित करता है, जिसमें उनका सत्यापन भी शामिल है।

फ्यूचरस्किल्स प्राइम प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से प्रस्तुत पाठ्यक्रम उद्योग-उन्मुख हैं और वैश्विक ओईएम भागीदारों, कंटेंट पार्टनर्स और नैसकॉम द्वारा प्रस्तुत किए जाते हैं। इसके अलावा, आईटी-आईटीईएस एसएससी नैसकॉम उद्योग के साथ मिलकर योग्यताएँ विकसित करता है, जिसमें उनका सत्यापन भी शामिल है।

सक्रिय उद्योग और वैश्विक डोमेन भागीदारी के साथ गठित सेक्टर स्किल काउंसिल (एसएससी) पाठ्यक्रम का सह-विकास और प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित करते हैं। अग्रणी उद्योग साझेदार पाठ्यक्रम सहायता प्रदान करते हैं और एआई, रोबोटिक्स और जलवायु तकनीक में प्रशिक्षुता/इंटर्नशिप सहायता प्रदान करते हैं।

कई उद्योग साझेदार एनसीवीईटी की स्वीकृति के लिए अपने स्वयं के एआई और प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम भी प्रस्तुत करते हैं, जिससे उद्योग द्वारा डिज़ाइन किए गए नवीनतम पाठ्यक्रम को अपनाना संभव हो पाता है। ये साझेदारियाँ सामूहिक रूप से यह सुनिश्चित करती हैं कि एआई-संबंधित कौशल कार्यक्रम प्रासंगिक, उच्च-गुणवत्तापूर्ण और रोज़गारपरकता पर केंद्रित रहें।

(घ) पीएमकेवीवाई के अंतर्गत एक सुदृढ़, बहुस्तरीय निगरानी और प्रभाव मूल्यांकन ढाँचे का पालन किया जाता है। सभी उम्मीदवारों, प्रशिक्षण प्रदाताओं और रोज़गार परिणामों पर एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म (सिद्ध) पर नज़र रखी जाती है। समय-समय पर तृतीय-पक्ष मूल्यांकन और नियोक्ता फीडबैक निरंतर सुधार को आकार देते हैं। निरंतर डेटा विश्लेषण और रिपोर्टिंग, अनुकूली निर्णय लेने और उभरती हुई प्रौद्योगिकी कौशल पहलों के साक्ष्य-आधारित विस्तार में सहायता करते हैं।

*****